



<https://gac.gov.in>



## लॉन्च पैड / नव परियोजना

माननीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री, श्री राजीव चंद्रशेखर द्वारा नई दिल्ली में 28-फरवरी-2023 को शिकायत अपीलीय समिति (Grievance Appellate Committee) पोर्टल का शुभारंभ किया गया। इस प्रमोचन समारोह के दौरान श्री अल्केश कुमार शर्मा, सचिव, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, शिकायत अपीलीय समितियों के अध्यक्ष व सदस्य, श्री अमित अग्रवाल, अतिरिक्त सचिव, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ अधिकारी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

शिकायत अपीलीय समिति उपयोगकर्ताओं (डिजिटल नागरिक) के हितों की रक्षा करने में मदद करने के लिए एक मंच है और उनके मुद्दों को सुलझाने के लिए एक सेतु के रूप में कार्य करती है। शिकायत अपीलीय समिति की स्थापना सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के तहत बनाए गए सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 [आई.टी. नियम] के तहत की गई है। आई.टी. नियम और शिकायत अपीलीय समिति का उद्देश्य भारतीय उपयोगकर्ताओं के लिए एक सुरक्षित, विश्वसनीय और जवाबदेह इंटरनेट सुनिश्चित करवाना है। फाइलिंग से लेकर निर्णय तक की पूरी अपील प्रक्रिया डिजिटल माध्यम में उपलब्ध है। शिकायत अपीलीय समिति 30 दिनों के भीतर अपीलों का समाधान करने का प्रयास करती है। नागरिकों, मध्यस्थों और तीनों शिकायत अपीलीय समितियों के लिए इसके तीन इंटरफेस हैं। सरकारी अधिकारियों के लिए, पोर्टल (एस.एस.ओ.) सिंगल साइन ऑन सक्षम है। आगामी संस्करण में नागरिकों के लिए अपील को आसानी से दाखिल करने के लिए मोबाइल ऐप तथा द्विभाषिक (हिंदी) इंटरफेस भी प्रदान किए जाएंगे।

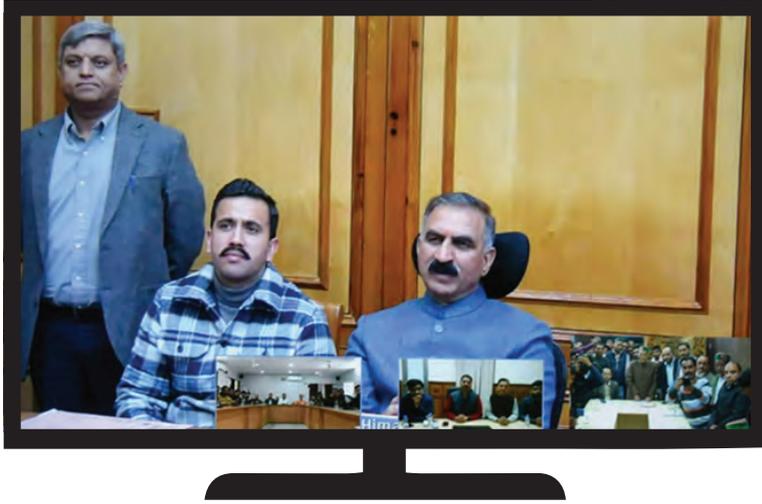
सॉफ्टवेयर को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केन्द्र मुख्यालय के परामर्श से राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केन्द्र, हिमाचल प्रदेश राज्य केंद्र द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया और इसे पूरे भारत में लागू किया जा रहा है।



# नवीनतम गतिविधियाँ

माननीय मुख्यमंत्री हिमाचल प्रदेश, श्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने 15 मार्च, 2023 को माननीय लोक निर्माण व युवा सेवाएँ एवं खेल मंत्री, श्री विक्रमादित्य सिंह के साथ कवारसी नाला पर बैली ब्रिज को समर्पित किया। यह आयोजन राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, चंबा और राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, शिमला की तकनीकी सहायता द्वारा वर्चुअल रूप से हिमाचल प्रदेश विधानसभा से किया गया था।

राष्ट्रपति भवन, मशोबरा में आंतरिक कार्यालय संचालन और आगंतुकों की ऑनलाइन बुकिंग प्रबंधन (<https://rashtrapatisachivalaya.gov.in>) के लिए निकनेट कनेक्टिविटी प्रदान की गई।



## अतिथि अनुभव

श्री दीपक भारद्वाज, अतिरिक्त निदेशक,  
वित्त, लेखा एवं लॉटरी, हिमाचल प्रदेश सरकार

सरकार में 'सेवा वितरण' सुधार प्रायः बड़े विभागों एवं बहुत अधिक संख्या वाले आवेदकों/उपयोगकर्ताओं से संबन्धित विभागों से जुड़े होते हैं। हिमाचल प्रदेश सरकार के वित्त विभाग ने अपनी परिवर्तनकारी यात्रा से साबित कर दिया है कि ऐसे सुधार अपेक्षाकृत कम नागरिक संपर्क वाले विभागों में भी प्रासंगिक हैं।

पिछले पच्चीस वर्षों में, राज्य में वित्तीय प्रबंधन को उल्लेखनीय रूप से राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र द्वारा की गई विभिन्न आई.टी. पहलों द्वारा सुगम बनाया गया है। ये पहल सुधारात्मक प्रयासों के साथ-साथ बेहतर सेवाएं देने के लिए सरकार की कार्य क्षमता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करते हैं। मूल रूप से इस उद्देश्य के साथ, प्रभावी एवं कुशल प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए, राज्य में एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (IFMS - Integrated Financial Management System) लागू की गई है। यह प्रणाली, इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस बनाने के साथ-साथ आंतरिक हितधारकों (सरकारी विभागों, कोषागार और महालेखाकार) तथा बाह्य हितधारकों (बैंक, आरबीआई और भारत सरकार) आदि को एक एकीकृत एवं सुगम इंटरफेस प्रदान करती है।



एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (IFMS) में विभिन्न चरणों में विकसित कई अनुप्रयोगों की त्रुटियों का ध्यान रखा गया है। राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र हिमाचल प्रदेश के वैज्ञानिकों की टीम के श्रमसाध्य प्रयासों से एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली राज्य के कुशल वित्तीय प्रबंधन में एक उत्प्रेरक साबित हुई है। यह विभिन्न प्रकार के हितधारकों को सूचना का मंच प्रदान करती है और सरकारी सूचना के एक एकीकृत स्रोत के रूप में कार्य करती है। एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (IFMS) वर्तमान समय में उपलब्ध सीमित भौतिक एवं श्रमशक्ति साधनों को एकजुट, कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से कार्य करने में सक्षम बनाती है।



छितकुल अथवा 'चितकुल' भारत के हिमाचल प्रदेश राज्य के किन्नौर जिले में सुदूर स्थित एक सुंदर और शांत गाँव है। शहर की हलचल से बचने और प्रकृति की सुंदरता का अनुभव करने वाले पर्यटकों के लिए यह एक सम्मोहक पर्यटन स्थल है जो अपने लुभावने परिदृश्यों, प्राचीन परिवेश और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है। छितकुल में आप एक ओर मनमोहक सांगला घाटी तो दूसरी ओर बासपा घाटी का आनंद ले सकते हैं जो बर्फ से ढके पहाड़ों, हरे-भरे जंगलों और निर्मल-शीतल जलधाराओं के मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है। प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर यह यात्रा मन को सम्मोहित करने वाली है।

यह घाटी सुप्रसिद्ध किन्नर कैलाश पर्वत श्रृंखला का आधार स्थल है, जो एक बहुत ही पवित्र शिव-यात्रा है और ट्रेकिंग एवं पर्वतारोहण के लिए भी एक लोकप्रिय गंतव्य है। कामरू किला छितकुल का एक अन्य लोकप्रिय आकर्षण है। 500 साल पुराना माथी मंदिर और इसकी लकड़ी की वास्तुकला देखने लायक है।

ठहरने के लिए यहाँ पर कई होमस्टे और गेस्टहाउस उपलब्ध हैं। छितकुल में मौसम अधिकतर समय ठंडा रहता है, इसलिए गरम कपड़ों एवं पूरी तैयारी के साथ आना अति महत्वपूर्ण है।

## कैसे पहुंचे

**सड़क मार्ग द्वारा:** छितकुल पहुंचने का सबसे सुलभ तरीका सड़क मार्ग है। लगभग 230 किलोमीटर दूर स्थित शिमला से आप बस या टैक्सी लेकर यहाँ पहुंच सकते हैं। जिला मुख्यालय रिकांग पियो से यह स्थल लगभग 70 किलोमीटर दूर है।

**वायु द्वारा:** छितकुल से निकटतम हवाई अड्डा शिमला (जुब्बड़हट्टी में) है जो लगभग 252 किलोमीटर दूर स्थित है। यहाँ से आप छितकुल के लिए टैक्सी या बस ले सकते हैं।

**रेल द्वारा:** छितकुल से निकटतम ब्रॉड गेज रेलवे स्टेशन कालका (290 किलोमीटर दूर) है। हालाँकि, निकटतम नैरो गेज रेलवे स्टेशन शिमला (230 किलोमीटर दूर) है। यहाँ से आप छितकुल के लिए टैक्सी या बस ले सकते हैं।

## टेक टिप्स

कोई भी संवेदनशील लेन-देन करते समय अपने ब्राउज़र बार में पैडलॉक आइकन की जाँच अवश्य करें। यह एक सुरक्षित कनेक्शन को इंगित करता है जो एक गहन सुरक्षा सत्यापन प्रक्रिया का पालन करता है और आपके लेनदेन एवं सुरक्षित सर्फिंग को गंभीरता से लेता है।

अपने सोशल मीडिया की 'गोपनीयता सेटिंग्स' की नियमित रूप से जांच करें। गोपनीयता और सुरक्षा सेटिंग्स के स्तर को आवश्यकता अनुसार सेट करें। अनिवार्य रूप से आवश्यक न होने तक जियो-टैगिंग को अक्षम करें, क्योंकि यह किसी को भी किसी भी समय आपकी भौगोलिक स्थिति देखने की सुविधा प्रदान करता है।



# चैटजीपीटी

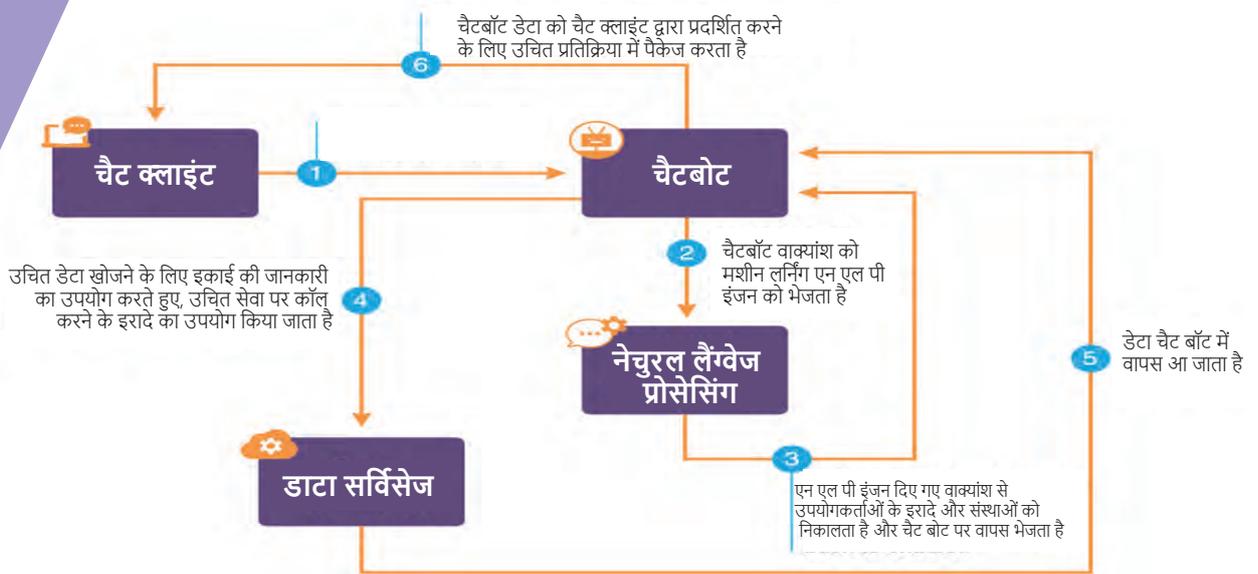
टेक अपडेट

ChatGPT OpenAI द्वारा विकसित एक नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग (NLP) मशीन लर्निंग मॉडल है, जिसे Reinforcement Learning with Human Feedback (RLHF) का उपयोग करके प्रासंगिक बातचीत के लिए अनुकूलित किया गया है। RLHF ChatGPT को निर्देशों का पालन करने और प्रतिक्रियाएं उत्पन्न करने की क्षमता सीखने में मदद करता है। इसमें संवादात्मक रूप में बातचीत करने और मानवीय रूप में प्रतिक्रिया प्रदान करने की आश्चर्यजनक क्षमता है। <https://openai.com/blog/chatgpt/> पर इसका उपयोग किया जा सकता है।

ChatGPT को विभिन्न विषयों पर प्रश्नों को समझने और उन प्रश्नों के विस्तृत उत्तर प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसके पास सुझाए गए उत्तरों के तथ्यों की जांच करने के लिए कोई आंतरिक तंत्र नहीं है और इसके सुझाए गए उत्तर हमेशा सटीक नहीं हो सकते। फिर भी यह बॉट अपेक्षाकृत रूप से अच्छा काम करता है और आप अनुभव कर सकते हैं कि आप किसी वास्तविक व्यक्ति से बात कर रहे हैं। ChatGPT के लिए नॉलेज कट-ऑफ 2021 है।

ChatGPT विज्ञान, इतिहास, भाषा-विज्ञान, गणित, अभियांत्रिकी आदि विभिन्न विषयों के बारे में सीखने के लिए उपयोगी है। चैटबॉट को किसी भी प्रोग्रामिंग भाषा में कोड लिखने या कोड की त्रुटियों को ढूंढने तथा उनका निदान करने लिए प्रयोग कर सकते हैं। बॉट यह भी बता सकता है कि इन कमजोरियों को कैसे ठीक किया जाए। चैटबॉट कविताएं लिख सकता है, किसी भी विषय पर जानकारी दे सकता है तथा किसी फिल्म के सीन के लिए कहानी भी तैयार कर सकता है। ChatGPT के AI Chatbot को एक वेबसाइट में एकीकृत भी किया जा सकता है या OpenAI API का उपयोग करके कंप्यूटर एप्लिकेशन को भी अनुकूलित किया जा सकता है।

यद्यपि ChatGPT प्रणाली अधिकांश प्रश्नों का उत्तर देने में सक्षम है लेकिन अभी भी यह एक विकासशील प्रणाली है। हालांकि यह सबसे उन्नत व अचूक प्रणाली नहीं है फिर भी यह वर्तमान में उपलब्ध एक उत्कृष्ट बहु-उपयोगिता AI Chatbot है।



चैटजीपीटी वर्क फ्लो

# पुरस्कार एवं सम्मान



## सी एस आई एस आई जी ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2022

हि.प्र. राज्य सरकार और एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश की टीम को 25 मार्च, 2023 को दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दिल्ली में कंप्यूटर सोसाइटी ऑफ़ इंडिया द्वारा प्रतिष्ठित विशेष रुचि समूह ई-गवर्नेंस पुरस्कारों (CSI SIG e-Governance Awards 2022) द्वारा सम्मानित किया गया। निम्नलिखित परियोजनाएं पुरस्कृत की गईं:

‘जल शक्ति विभाग के लिए वर्क्स एम.आई.एस. वेब एप्लीकेशन’ (<https://iph.hp.nic.in/>) की टीम ने उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त किया।

‘हिमाचल प्रदेश रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण – एम.आई.एस.’ (<https://hprera.nic.in/>) और ‘PSC SoFT - लोक सेवा आयोग Software for Transformation’ (<https://hpsconline.hp.gov.in/>) की टीम ने प्रशंसा पुरस्कार प्राप्त किया।

‘हि.प्र. बड़े बांध सुरक्षा विश्लेषण – एम.आई.एस.’ (<https://hpsdmaplan.nic.in/dams/>) और ‘हिमाचल प्रदेश कृषि उपज खरीद पोर्टल’ (<https://hpapp.nic.in/>) की टीम को मान्यता पुरस्कार प्रदान किया गया।

## GePNIC (eProcurement) के प्रसार में अनुकरणीय योगदान के लिए मान्यता पुरस्कार

एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश को राज्य में GePNIC के प्रसार में अनुकरणीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार 27 मार्च, 2023 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में इलेक्ट्रॉनिक खरीद पर राष्ट्रीय कार्यशाला के दौरान श्री राजेश गेरा, महानिदेशक एन.आई.सी. द्वारा प्रदान किया गया।

## e-KATCH

हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 के लिए जिला कांगड़ा द्वारा चुनावी खर्च की निगरानी के लिए e-KATCH (Kangra Application for Tracking CHunav) नामक Android एप्लिकेशन एवं वेब इंटरफेस आधारित एक नई पहल को 13वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर पुरस्कृत किया गया। डॉ निपुन जिंदल, आई.ए.एस., उपायुक्त कांगड़ा ने नई दिल्ली में माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से पुरस्कार प्राप्त किया।

# पैमिली कनेक्ट

नन्ही कृष्वी का जन्म दिवस समारोह



नन्ही परी, कृष्वी ठाकुर पुत्री श्रीमती एवं श्री मंगल सिंह, वैज्ञानिक-डी ने 18 दिसंबर, 2022 को एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश परिवार के साथ अपना पहला जन्मदिन मनाया।

परामर्श : श्री अजय सिंह चौहल

संवाद पत्र टीम

मुख्य संपादक : श्री विनोद कुमार गर्ग

संपादन : श्री भूपिंदर पाठक, श्री अखिलेश भारती,  
श्री बृजेंद्र कुमार डोगरा

डिजाइन एवं रूपरेखा : श्री सर्वजीत कुमार

योगदानकर्ता

श्री पंकज गुप्ता  
श्री शैलेंद्र कौशल  
श्री बलवान सिंह

राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र

हिमाचल प्रदेश राज्य केंद्र, छठी मंजिल, आर्म्सडेल भवन, हिमाचल प्रदेश सचिवालय  
शिमला हि. प्र. - 171002

+91-177-2624045 sio-hp[at]nic[dot]in

<https://nichimachal.nic.in/>

**NIC** एनआईसी  
National  
Informatics  
Centre